पाठ 19

जब आई आपदा

मैं समय हूँ। मैंने गाँवों को बसते और उजड़ते देखा है। लोगों को खुशहाल व सिसकते देखा है। फलते–फूलते परिवारों को खत्म होते देखा है। भूकंप, बाढ़, तूफान आदि ऐसी प्राकृतिक आपदाएँ हैं जो महाविनाश लाती हैं। इनमें से कुछ समस्याएँ तो इंसानों ने ही पैदा की है। कहीं पहाड़ों को तोड़ डाला है तो कहीं गहराई तक खोद डाला है। जंगलों को अपने लाभ के लिए काट डाला है। भूगर्भ से पानी और कई प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर लिया हैं।

मुझे आज भी वो दिन याद है जब 26 जनवरी 2001 को गुजरात के कच्छ में भूकंप आया था। गाँव –शहर सभी जगह गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया जा रहा था कि अचानक धरती हिलने लगी और इमारतें गिरने लगी। कुछ घरों में आंशिक नुकसान पहुँचा तो कुछ बच भी गए थे, लेकिन अधिकतर घर, दुकानें मलबे के ढेर में बदल गए। हजारों लोग, मवेशी मलबे में दब गए।

रेडियो, टी.वी. आदि समाचार माध्यमों से पूरे देश में इस भूकंप का पता चल गया। भूकम्प के झटके कई किलोमीटर तक महसूस किए गए। जो लोग बच गए वो तुरन्त दूसरे घायलों की मदद में लग गए एवं मलबे से लोगों को निकालने लगे। तुरंत स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के लोग भी पहुँच गए। कुछ ही देर में उच्चाधिकारी, आपदा राहत दल एवं सेना के जवान भी पहुँच गए। ये मलबे में दबे लोगों को ढूँढ कर बचाने का प्रयास कर रहे थे। डॉक्टर एवं नर्सिंगकर्मी अस्थाई कैम्पों में घायलों का इलाज कर रहे थे, तो गम्भीर घायलों को एम्बुलेन्स से नजदीकी बड़े अस्पताल पहुँचा रहे थे। भूकंप से बचे लोग घायलों के लिए भोजन एवं पानी ला रहे थे। स्वयंसेवी संगठनों व प्रशासन की तरफ से भी भोजन के पैकेट एवं पानी उपलब्ध करवाया जा रहा था। चारों तरफ टेंट लगाकर राहत शिविर लगा दिए गए। धीरे–धीरे दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ भी प्रशासन एवं स्वयंसेवी संगठनों के स्वयंसेवकों एवं समाजसेवियों द्वारा उपलब्ध करवाई जाने लगी।

चित्र 19.1 भूकंप से विनाश

चर्चा कीजिए

- क्या आपने या आपके किसी परिचित ने कभी किसी प्राकृतिक आपदा का सामना किया है?
- ऐसे समय में किन–किन लोगों ने मदद की ?
- यदि आपके यहाँ भूकम्प आ जाए तो आपके आस–पास किस तरह का नुकसान हो सकता है ?

कई दिनों तक बाहर से लोग सहायता के लिए आते रहे। वे भूकम्प पीड़ितों को खाने–पीने की चीजें, कपड़े, दवाइयाँ देते थे। कुछ लोगों को ये सामान मिलता तो कुछ को नहीं मिल पाता। खूब छीना–झपटी होती। मैंने ऐसे–ऐसे मन्जर भी देखें हैं।

शहर से आए लोगों में कुछ वैज्ञानिक, इंजीनियर और आर्किटेक्ट भी थे। उन्होंने बताया कि भूकम्प आने पर तुरन्त घर से बाहर खुले में निकल जाना चाहिए। अगर घर से बाहर न निकल सको तो किसी मजबूत जगह जैसे मजबूत टेबल के नीचे कंपन रूकने तक बैठ जाना चाहिए। इन्होंने भूकम्परोधी मकान के कुछ डिजाइन बताए और लोगों से इस डिजाइन के अनुसार मकान बनाने के लिए कहा।

सोचिए और लिखिए

- भूकम्प से पीड़ित लोगों को किन–किन वस्तुओं की आवश्यकता होती है ?
- यदि आपसे कोई भूकम्प पीड़ित के लिए मदद चाहें तो आप क्या मदद करेंगे?

पता कीजिए और लिखिए

- अखबार व पत्र पत्रिकाओं से जानो कि अभी हाल ही में कहाँ भूकम्प आया था ? उससे किस–किस तरह का नुकसान हुआ ?
- भूकम्प जैसी मुसीबत आने पर क्या करना चाहिए ?

भूकम्प की तीव्रता :

किसी स्थान पर भूकम्प से कितना नुकसान होगा, यह भूकम्प की तीव्रता से जाना जा सकता है। भूकम्प जमीन के अन्दर हलचल के कारण आता है । यह हलचल एक बिन्दु से शुरू होकर पानी की तरंगों की तरह फैलती है। इस बिन्दु को भूकम्प का केन्द्र कहते हैं। भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर मापते हैं। जब भूकम्प की तीव्रता 5 रिक्टर से अधिक होती है तो मकान आदि गिर सकते है लेकिन 5 रिक्टर से कम तीव्रता पर केवल कम्पन महसूस होते हैं। चीजें हिलती हुई नजर आती है व मकानों में दरारें पड़ जाती हैं। भूकम्परोधी मकान 7 रिक्टर तक की तीव्रता को सहन कर सकते हैं।

बाढ़ से हाल–बेहाल

बरसात का मौसम था। सुबह से ही रूक–रूक कर बारिश हो रही थी। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी थी। शाम होते–होते बारिश तेज हो गई। तूफानी हवाए चलने लगी, रह–रह कर बिजलियाँ चमक रही थी। सब लोग अपने–अपने घरों में ही बैठे थे, बिजली भी चली गई थी, चारों ओर अंधेरा हो गया था और जगह–जगह पानी ही पानी नजर आ रहा था। हालांकि मेरे कच्चे केलूपोश मकान में पानी नहीं टपकता लेकिन उस दिन टप–टप कर पानी गिरने लग गया था। जैसे–तैसे रात गुजरी ही थी कि सुबह अचानक लोगों के चिल्लाने की आवाजें आने लगी। पास के गाँव का बाँध टूट गया। तेज बहाव के साथ आया पानी घरों में घुसने लगा। घर के बर्तन आदि सामान पानी में तैरने लगे। लोग बच्चों को लेकर ऊँचाई वाले स्थानों की ओर भागने लगे। एक–एक कर सभी झोंपड़े बाढ़ के पानी में समाते जा रहे थे। पानी में कहीं–कहीं छप्पर, पेड़ों की टूटी शाखाएँ, मरे हुए पशु–पक्षी, जानवर आदि तैरते हुए दिखाई दे रहे थे। हम सब लाचार खड़े यह सब देख रहे थे। पिताजी ने पास के कस्बे में अपने मित्र को फोन किया, फिर तहसीलदार को फोन कर गाँव की स्थिति के बारे में बताया। कुछ ही देर में पड़ोसी कस्बे से बहुत सारे लोग रस्से व अन्य सामग्री लेकर आ गए। कुछ देर में तहसील के अधिकारी व पुलिस के जवान भी पहुँच गए। बाढ़ पीड़ित सभी लोगों को पास के गाँव की धर्मशालाओं व सरकारी भवनों में लगाए राहत शिविरों में पहुँचाया गया। जगह कम होने से टेंट लगाकर अस्थाई आवास की व्यवस्था की गई। गाँव के कई लोग पानी में बह गए थे, जिन्हें पुलिस के जवान तलाश रहे थे। एम्बुलेन्स बाढ़ के कारण घायल पीडितों को लाने ले जाने का काम कर रही थी। स्वयंसेवी संस्थाओं और प्रशासन द्वारा खाने–पीने की वस्तुएँ, दवाइयाँ आदि उपलब्ध करवाई जा रही थी।

चित्र 19.2 बाढ़ का दृश्य

कुछ दिनों में बाढ़ का पानी उतर गया। ये सारा नजारा मैं देख रहा था मैंने देखा कि सब लोग वापस अपने गाँव पहुँचे। वहाँ की हालत बहुत खराब हो गई थी। कच्चे झोंपड़ों का

कहीं नामों–निशान नहीं था। कुछ कच्चे मकानों की टूटी–फूटी दीवारें ही बची थी। कई पक्के मकानों को भी नुकसान पहुँचा था। दीवारों में सीलन आ गई थी। जगह–जगह काई जमी हुई थी। चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ था। गाँव में सभी जगह बदबू फैली थी। प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों के स्वयंसेवकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। सभी ग्रामवासियों ने अपना भरपूर सहयोग दिया। कुएँ, बावड़ी, आदि जलस्रोतों की सफाई कर इनमें दवाई डाली गई। भवनों की मरम्मत का काम करवाया गया।

चित्र 19.3 बाढ़ के दौरान राहत कार्य

सोचिए और बताइए

- बरसात के समय किस–किस तरह की समस्याएँ आती हैं ?
- बाढ़ से लोगों का क्या–क्या नुकसान हुआ होगा ?
- यदि आपके वहाँ बाढ आ जाए तो आप किस प्रकार की मदद कर सकते हैं?
- बाढ़ जैसी आपदा से बचने के लिए क्या किया जा सकता है?
- आपके गाँव में एवं आस–पास पानी के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में क्या–क्या अवरोध हैं ? उन्हें हटाने के लिए क्या करना चाहिए ?

चर्चा कीजिए

- सामान्यतः लोग एक जगह पर पास–पास क्यों बसते हैं ?
- आपके आस–पास के लोगों ने संकट या परेशानी में एक–दूसरे की मदद कब–कब की होगी?

यह भी कीजिए

किसी संकट के समय आपको इनकी जरूरत पड़ सकती है। इनसे संपर्क करने के लिए इनके फोन नम्बर और पूरा पता कॉपी में लिखिए। इस सूची में कुछ नाम और भी जोड़ना चाहे तो जोड़ देवें।

संकट के समय जरूरत	फोन नम्बर	पूरा पता
पुलिस थाना	100	
अस्पताल		
एम्बुलेंस	108	
अग्निशमन केन्द्र		

यह कीजिए

पिछले कुछ महीनों के अखबार से दुनिया में आए तूफान, बाढ़, भूकम्प, आगजनी जैसी आपदाओं के बारे में चित्र व समाचार इकट्ठा कीजिए। इन्हें चार्ट पर चिपका कर कक्षा में लगाइए।

हमने सीखा

- भूकंप आने पर घर से बाहर खुले में आना चाहिए।
- प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ितों की मदद करनी चाहिए।

जाना–समझा, अब बताइए

- भूकंप से आप क्या समझते हैं?
- भूकंप से होने वाली 5 हानियाँ लिखिए?
- बाढ़ आने के कोई दो कारण लिखिए।
- बाढ़ के समय सुरक्षा कैसे की जा सकती है ?

शिक्षक निर्देश–शिक्षक विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रबन्धन पर कक्षा में विस्तृत चर्चा करे।

बाढ, भूकम्प और आगजनी।
इनमें ना करो मनमानी।।